वामपंथी पार्टियों की समिति गठित कर बसु कसेंगे केंद्र सरकार की नकेल

कोलकाता, १२ जून (एप)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ माकपा नेता ज्योति बसु ने कहा कि केंद्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यों पर रोजाना नजर रखने के लिए वामपंथी पार्टियों की समन्वय समिति का जल्द ही गठन होगा। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) में शामिल कई मुद्दों पर केंद्र सरकार के साथ सहमति नहीं बन पाई है।

अभिनंदन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी और ज्योति बसु। फोटो : जनसत्ता

उन्होंने आशा जताई कि इन मुद्दों पर सहमति कुछ दिनों में बन जाएगी।

बसु शनिवार को नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह में अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे। समारोह का आयोजन 'सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन कमिटी' ने ग्रेट ईस्टर्न होटल के दरबार हॉल में किया था।

बसु ने और कहा कि वामपंथी पार्टियों ने बड़ी विषम परिस्थितियों में कांग्रेस के नेतृत्ववाली यूपीए सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र में धर्मनिरपेक्ष व सांप्रदायिक विरोधी सरकार का गठन वर्तमान समय की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि पिछले महीने दिल्ली में माकपा केंद्रीय कमिटी की बैठक में उन्हें सूचना मिली कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी चौदहवीं लोकसभा के अध्यक्ष का महत्वपूर्ण पद सोमनाथ चटर्जी को देना चाहती हैं। उसके बाद माकपा की पोलित ब्यूरो की बैठक में भी इस मुद्दे पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि काफी सोच-विचार के बाद यह फैसला हुआ कि सोमनाथ चटर्जी को लोकसभा अध्यक्ष का पद प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए।

बसु ने सोमनाथ को कुशल वक्ता बताया और कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का दायित्व वे पूरी निष्ठा और कुशलता से करेंगे। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से सोमनाथ माकपा संसदीय दल के नेता के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण संगठनों का नेतृत्व जिम्मेदारी के साथ कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि अतीत में भाजपा के खिलाफ वरिष्ठ माकपा नेता सोमनाथ ने कांग्रेस के साथ-साथ दूसरे राजनैतिक दलों को साथ लेकर संसद में सफल अभियान चलाया था।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संसद में संसाधक के साथ विपक्ष को समान दृष्टि से देखने की जिम्मेदारी अध्यक्ष की होती है। उन्होंने आशा जताते हुए कहा कि सोमनाथ इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाएंगे। बसु ने कहा कि पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा को छोड़कर वाम मोर्चा की शक्ति कमजोर है। उन्होंने कहा कि जहां हमारी शक्ति मजबूत थी, वहां हमने मतदाताओं से अपील की थी कि चुनाव में वे सांप्रदायिक शक्तियों को परास्त करें और भाजपा को दूर भगाएं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने उस अपील पर गौर किया और वामपंथियों को जीत दिलाई।

सोमनाथ चटर्जी ने अपने अभिनंदन के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इससे खुद को गर्वित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय के अपने संसदीय अनुभवों से वे आशा करते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाएंगे। सोमनाथ ने कहा कि वर्तमान हालात में इस देश में संसदीय लोकतंत्र का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। यह शासन का श्रेष्ठ रूप है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संसद वह जगह होती है, जहां हम अपनी विभिन्न समस्याओं पर सुचारू ढंग से संवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर के रूप में उनको खुद को साबित करने का जो मौका मिला है, उस पर वे खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी हमारे देश में आबादी का कुछ वर्ग गरीबी रेखा के नीचे अपना जीवन बिताता है। उन्होंने कहा कि समस्याओं की इस देश में भरमार है, और यदि आम लोग इनको दूर करने के लिए प्रतिबद्ध होकर जुट जाएंगे तो समाधान जरूर निकल आएंगे। उन्होंने आयोजकों द्वारा उनको देश के विभिन्न राज्यों से लाई गई तरह-तरह की चीजों जिनमें कश्मीर का गुलाब, राजस्थान की पगड़ी, बंगाल का शंख, पंजाब का सरोपा, तमिलनाडु की फूलों की १५ किलो की माला, केरल का नारियल, आंध्र प्रदेश की इलायची की माला और गुजरात का दुपट्टा शामिल थे, दिए जाने को एकता का प्रतीक बताया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने कहा कि यह बड़े गौरव की बात है कि बंगाल के एक मार्क्सवादी नेता को लोकसभा का स्पीकर बनाया गया है। उन्होंने भी सोमनाथ को कुशल नेता बताया।

मालूम हो कि आज के समारोह में महानगर की प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक व व्यावसायिक १०१ संस्थाओं ने माल्यार्पण कर बोलपुर के सांसद व नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विकास शर्मा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस मौके पर अभिनंदन कमिटी की अध्यक्ष व साहित्यकार प्रभा खेतान, स्वागताध्यक्ष शिशिर बाजोरिया, संयोजक संदीप भूतोड़िया के अलावा हर्षवर्धन नेवटिया, हिना गोरिया, राजेश बिनानी, राजकुमार शर्मा, सरदार मल्ल कांकरिया, सीताराम शर्मा, भरोसा सुरेका और प्रकाश तोशनीवाल मौजूद थे। समारोह का संचालन संदीप भूतोड़िया और धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार शर्मा ने किया।

बीएनसीसीआई ने किया अभिनंदन : बंगाल नेशनल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने आज रात शहर के एक होटल में लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन किया। इस मौके पर एसके चक्रवर्ती, डीपी नाग, एसएन नंदी आदि मौजूद थे।

जनसत्ता, 13, जून, 2004

ग्रेट ईस्टर्न होटल में लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी के अभिनंदन समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में अभिवादन स्वीकार करते हुए श्री चटर्जी। पास ही चित्र में पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री ज्योति बसु, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष श्री हासिम अब्दुल हलीम, आयोजन समिति की अध्यक्षा डा. प्रभा खेतान, स्वागताध्यक्ष श्री शिशिर बाजोरिया, संचालनकर्ता श्री संदीप भूतोड़िया व श्री भानीराम सुरेका परिलक्षित हैं। फोटो : विश्वमित्र

सांसद उत्तरदायित्व का निर्वाह कर मिशाल कायम करें : सोमनाथ चटर्जी

निज प्रतिनिधि

कोलकाता, १२ जून। 'संसदीय गणतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों या सांसदों को चुनती है इसलिए सांसदों को चाहिए कि वे जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का सफल निर्वहन कर मिशाल कायम करें।' पश्चिम बंगाल के पहले मार्क्सवादी लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने ये बातें महानगर की शताधिक सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा आयोजित अपने अभिनंदन समारोह में कही। श्री चटर्जी ने कहा कि सांसदों को अपने आचरण एवं कार्यों से यह दिखलाना चाहिए कि वे सबसे जिम्मेवार लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास जितनी प्राकृतिक संपदा है, बौद्धिकता है, कार्य करने वाले लोग हैं उसमें यह दुनिया का सबसे विकसित देश बन सकता है। जरूरत व्यवस्थित रूप से कार्य को पूरा करने की है।

लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेवारियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह बड़ा चुनौतीपूर्ण पद है। केन्द्रीय राजनीति में पक्ष और विपक्ष दोनों गठबंधन से बना है इसलिए स्थिति और भी जटिल है। उन्होंने भरोसा जताया कि सबके सहयोग से वे अपना कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष जनाब हाशिम अब्दुल हलीम की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि सफलतम अध्यक्ष होने के गुर उनसे सीखे जा सकते हैं।

अपने अभिनंदन से आत्ममुग्ध श्री चटर्जी ने यह भी कहा कि वे अभी इस अभिनंदन के योग्य हैं या नहीं यह तय नहीं है क्योंकि अभी तक उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में कोई विशेष कार्य नहीं किया है। अपने जीवन के अनुभवों एवं कार्यों को याद करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पद की गरिमा को बनाये रखने में भी वे सफल हो सकेंगे।

इससे पूर्व समारोह के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने कहा कि सोमनाथ चटर्जी का यह अभिनन्दन महत्वपूर्ण है। श्री बसु ने कहा कि इतनी संस्थाओं द्वारा किसी व्यक्ति का सम्मिलित अभिनन्दन उन्होंने पहले कभी नहीं देखा।

श्री बसु ने आगे कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद बड़ा महत्वपूर्ण होता है। उसे पक्ष और विपक्ष को एक नजर से देखना होता है। विपक्ष को बोलने का अधिक से अधिक मौका देना पड़ता है।

श्री चटर्जी के अनुभवों एवं काबिलियत की चर्चा करते हुए श्री बसु ने कहा कि वे लोकसभा में वाममोर्चा के लंबे समय तक नेता रहे हैं। समारोह के मुख्य वक्ता पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिम अब्दुल हलीम ने कहा कि गत लोकसभा चुनाव में एक नई विचारधारा का अभ्युदय देखने को मिला। देश की जनता ने साम्प्रदायिकता और आतंकवाद को नकारात्मक कर धर्मनिरपेक्षता में अपना विश्वास व्यक्त किया। सोमनाथ चटर्जी के संबंध में उन्होंने कहा कि वे अनुभवी नेता हैं इसलिए लोकसभा अध्यक्ष का कार्य वे सफलतापूर्वक निर्वाह करेंगे।

समारोह की शुरूआत में श्री सोमनाथ चटर्जी अभिनन्दन समिति की अध्यक्षा डा. प्रभा खेतान ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के लोकसभा अध्यक्ष का पद बड़ा गरिमापूर्ण होता है एवं श्री चटर्जी उस पद पर अधिष्ठित हुए हैं यह गौरव की बात है।

डा. खेतान ने बंगाल में वाममोर्चा के शासन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कम्युनिस्टों से सीखा है कि मनुष्य को जाति, धर्म, सम्प्रदाय में नहीं बांटा जा सकता। स्वागताध्यक्ष उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने कहा कि सोमनाथ चटर्जी का सम्मान कोलकाता महानगर का सम्मान है पूरे समारोह का सफल एवं प्रभावपूर्ण संचालन संदीप भूतोड़िया ने किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न प्रांतों की प्रतीक वस्तुओं के अनुरूप श्रीमती हिना गोरसिया ने शंख, सरदारमल कांकरिया ने राजस्थानी पगड़ी हर्ष नेवटिया ने इलायची की माला, श्री सीताराम शर्मा ने दुपट्टा, श्री भूपेन्द्र सिंह सरना ने सरोपा, राजकुमार शर्मा तमिलनाडु की माला तथा श्री भानीराम सुरेका, श्री राजेश बिहानी, बजरंग मोदी व श्याम मोदी ने भी श्री चटर्जी को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कौतुहल का दृश्य उस समय उत्पन्न हो गया जब श्री ज्योति बसु ने शाल उढ़ाकर तथा राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री हासिम अब्दुल हलीम ने मोमेन्टो प्रदान कर श्री सोमनाथ चटर्जी का अभिवादन किया।

वामदलों की समन्वय समिति का गठन शीघ्र : ज्योति बसु

निज प्रतिनिधि

कोलकाता, १२ जून। पोलित ब्यूरो सदस्य ज्योति बसु ने आज कहा कि वाम दलों की एक समन्वय समिति का गठन दो या तीन दिन के अंदर किया जाएगा। यह समिति संप्रग समिति के साथ प्रतिदिन बातचीत करेगी तथा न्यूनतम साझा कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर निगरानी रखेगी। लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी को बधाई देने के लिए आयोजित एक समारोह में बसु ने कहा कि कांग्रेस ने वाम दलों को संप्रग समिति में शामिल होने का परामर्श दिया है। माकपा, भाकपा, आरएसपी और फारवर्ड ब्लाक ने मिलकर एक अपनी समिति बनाने का निर्णय लिया है। यह समिति संप्रग की समिति के साथ प्रतिदिन बात करेगी। संप्रग सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम को वाम दलों ने समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने हमारे अनेक सुझावों को स्वीकार कर लिया है। कुछ सुझाव पर विचार-विमर्श होना अभी बाकी है। यह कहते हुए देश संकट के दौर से गुजर रहा है बसु ने कहा कि वाम दलों और संप्रग के लिए एक साथ मिलकर काम करने के सिवाय दूसरा कोई विकल्प नहीं है। बसु ने वाम दलों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसका राष्ट्रीय राजनीति में महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बंगाल और केरल तक ही हमारा प्रभाव है। लेकिन लोकसभा चुनाव में हमारी ताकत बढ़ी है।

बंगाल की 101 संस्थाओं द्वारा लोकसभा स्पीकर सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन शनिवार को किया गया. उन्हें माला पहना कर पूर्व मुख्यमंत्री
भूतोड़िया, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम और आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ प्रभा खेतान. एकदा

लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का अभिनंदन वि

बंगाल में ऐसा आयोजन

संवाददाता

कोलकाता, 12 जून : मार्क्सवादी नेता सोमनाथ चटर्जी के लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद आज शनिवार को विभिन्न भाषा-भाषियों की 101 संस्थाओं ने उनका अभिनंदन किया. समारोह में तीन प्रमुख राजनेता उपस्थित रहे. इनमें श्री चटर्जी के अलावा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु व राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम थे. समारोह की भव्यता से मुग्ध समारोह के अध्यक्ष व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु की टिप्पणी थी कि उन्होंने अपने जीवन में राज्य में ऐसा आयोजन पहले कभी नहीं देखा. उद्योग, व्यापार से लेकर शिक्षा, संस्कृति व सभी भाषाई संगठनों ने एकजुटता दिखाते हुए जिस तरह श्री चटर्जी का अभिनंदन किया, इसके लिए आयोजन के कर्ता-धर्ता धन्यवाद के पात्र हैं. अनेकता में एकता का प्रतीक यह आयोजन पूरी तरह देश की एकता की झांकी पेश कर रहा है.

इस अवसर पर श्री बसु ने कहा कि श्री चटर्जी के स्पीकर बनने से व्यक्तिगत तौर पर वह बहुत खुश हैं. उन्होंने कहा कि यह बहुत कठिन पद है. इस पद पर बैठे व्यक्ति को विरोधियों सहित सभी को समान रूप से देखना पड़ता है. श्री चटर्जी के स्पीकर के रूप में चुनाव पर चर्चा करते हुए श्री बसु ने कहा कि पहले उन्हें फिर से पार्टी का नेता चुने जाने के लिए बैठक में तय किया गया था. बाद में सोनिया गांधी की ओर से उनके लिए स्पीकर पद का आग्रह आया. फिर से बैठक बुला कर उन्हें यह पद ग्रहण करने पर आम सहमति बनायी गयी. श्री बसु के मुताबिक श्री चटर्जी का इस पद पर चुनाव देश हित और संसद के हित में है. क्योंकि श्री चटर्जी एक बहुत अनुभवी नेता हैं. एनडीए सरकार के समय श्री चटर्जी ने संपूर्ण विरोधी नेताओं को एकजुट बनाये रखा. श्री बसु ने कहा कि केंद्र में हमारी गठबंधन सरकार है. सरकार के साथ हमारी परस्पर बातचीत हो, इसके लिए कार्य पद्धति दो-तीन दिनों में तय हो जायेगी. उन्होंने कहा कि वाम दलों की अलग को-ऑर्डिनेशन कमेटी रहेगी, जो संप्रग द्वारा बनायी कमेटी के साथ परस्पर विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करेगी. श्री बसु ने कहा कि श्री चटर्जी ने पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के पद पर रहते हुए अपनी क्षमता सिद्ध की थी. वह लोकसभा के सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष भी साबित होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है.

अपने अभिनंदन से अभिभूत श्री चटर्जी ने इस अवसर पर कहा कि अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं. देश के विभिन्न भागों के लोग इस समारोह के माध्यम से एकत्र हुए. इसकी देश को बड़ी जरूरत है. श्री चटर्जी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में तो उन्हें

अभी स्वयं ...
सत्र में सदन ...
करनी, अपने ...
बाकी है. उन ...
लोकतांत्रिक ...
कोई विकल्प ...
उनकी कोशि ...
सदस्यों को ...
विश्वास पैदा ...
से जुड़ी समस् ...
हो और उनका ...
सकें. उन्होंने ...
देश का आर्थि ...
बात कि अ ...

प्रभात खबर, 13, जून, 2004

103(B)

ज्योति बसु ने सम्मानित किया (बीच में), समारोह में मंचस्थ अतिथि (एकदम बायें से) कार्यक्रम के संचालक संदीप
दायें परिलक्षित हैं समारोह में उपस्थित लोग. तसवीरें अदिति साहा की.

...या पश्चिम बंगाल की 101 संस्थाओं ने

...भी नहीं देखा : बसु

...मानित करना है. इस ...ते कार्यवाही चार दिन ही ...परीक्षा होने से अभी ...ने कहा कि भारत एक ...है और लोकतंत्र का ...नहीं है. उन्होंने कहा कि ...होगी कि संसद के सभी ...लेकर आम लोगों में ...करें और देश व जनता ...ओं की चर्चा सदन में ...समाधान भी किया जा ...कहा कि देश की संसद ...है. वहीं उन्होंने यह भी ...तक जो भी सफलता उन्हें मिली है, उसमें उनके सहयोगियों और आम लोगों का बहुत बड़ा सहयोग रहा है. श्री चटर्जी ने यह भी कहा कि इस समय देश की स्थिति बदली हुई है, क्योंकि केंद्र में सरकार भी गठबंधन की है और विपक्ष भी गठबंधन का है.

राज्य विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है. लोकसभा के अध्यक्ष पद पर रहते हुए श्री चटर्जी देश को नयी दिशा देंगे. श्री हलीम ने कहा कि उनके अनुभव को देखते हुए कहा जा सकता है कि उनके नेतृत्व में एक मौलिक बदलाव आयेगा.

अभिनंदन समारोह में सबसे पहले श्री चटर्जी की बेटी ने नारियल भेंट कर अपने पिता का अभिनंदन किया. इसके बाद उन्हें 11 राज्यों के प्रतीक चिह्न उन्हें भेंट कर अभिनंदन किया गया. इसके अंतर्गत बंगाल का शंख, राजस्थान की पगड़ी, तामिलनाडु की फूलों की माला, गुजरात व महाराष्ट्र का दुपट्टा, पंजाब की तलवार, केरल की इलायची की माला व विशेष राज्य द्वारा मोतियों की माला से उनका अभिनंदन किया गया. इसके साथ ही महानगर की 101 संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उन्हें फूल-माला पहना कर उनका अभिनंदन किया.

कार्यक्रम की शुरुआत में अभिनंदन कमेटी की अध्यक्ष डॉ प्रभा खेतान ने कहा : आज हम एक व्यक्ति के साथ लोकसभा अध्यक्ष पद का भी सम्मान कर रहे हैं. डॉ खेतान ने कहा कि देश को जाति व धर्म में बांटा नहीं जा सकता है, पर भी चटर्जी से ही सीखा है. इस अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए स्वागताध्यक्ष शिशिर बाजोरिया ने कहा कि अनेकता में एकता ही देश की पहचान है. यही पहचान कोलकाता की भी रही है. उन्होंने कहा कि ...भाषाओं के लोग, जो यहां रहते हैं, वे बंगाल को ही अपना राज्य समझते हैं. आज का कार्यक्रम उसी भावना का परिचायक है. समारोह का संचालन कमेटी के संयोजक संदीप भूतोड़िया ने किया. धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार शर्मा ने किया. स्वागत गीत विकास शर्मा ने प्रस्तुत किया.